Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation

अमृत शहरों के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार करने पर उप-योजना

हिमाचल प्रदेश में अमृत नगरों के पुनरीक्षण और विशेषता (एट्रिब्यूट) डेटा संग्रहण पर प्रशिक्षण रिपोर्ट

16-17 अगस्त 2019

सत्यमेव जयते

नगर एवं ग्राम नियोजन संगठन

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

भारत सरकार

1.0 प्रस्तावना

अमृत शहरों के जीआईएस आधारित मास्टर प्लान पर उप-योजना के अंतर्गत महत्वपूर्ण घटकों में से एक क्षमता निर्माण है। अब तक 28 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और विभिन्न राज्य सरकारों, विकास प्राधिकरणों और शहरी स्थानीय निकायों के 696 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जा चुका हैं। इसके अलावा, टीसीपीओ राज्य सरकारों को जमीनी सच्चाई, विशेष (एट्रीब्यूट) डेटा संग्रहण और पुनरीक्षण पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। अब तक राज्य सरकारों के लिए 4 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं और राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के 208 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है। हिमाचल प्रदेश सरकार के अनुरोध पर 16-17 अगस्त, 2019 को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित गया।

2.0 हिमाचाल प्रदेश में जीआईएस आधारित मास्टर प्लान की उप-योजना का कार्यान्वयन

हिमाचल प्रदेश में, उप-योजना के अंतर्गत दो शहर हैं, अर्थात् शिमला और कुल्लू।

क्र.सं.	शहरों के नाम	शहर की श्रेणी	मानचित्रण का क्षेत्रफल (वर्ग किमी)
1	शिमला	I	224.50
2	कुल्लू	I	82.58

2.1 प्रगति

उप-योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के दो शहरों के लिए 1.79 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं (एनआरएससी को जियो-डेटाबेस निर्माण के लिए 0.25 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं और मास्टर प्लान तैयार करने और क्षमता निर्माण के लिए 1.54 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं)। राज्य सरकार को 0.31 करोड़ रु. और एनआरएससी को अग्रिम (20%) के रूप में 0.05 करोड़ रु. की पहली किश्त 19.06.2018 को जारी की गई हैं। आवंटित और जारी की गई निधियों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	विवरण	राशि करोड़ रु में
1	उप-योजना के अंतर्गत स्वीकृत कुल निधि	1.79
2	राज्य सरकार के लिए आवंटित निधि (एपमी और सीबी)	1.54
3	एनआरएससी को आवंटित निधि (जियो-डेटाबेस निर्माण)	0.25
4	पहली किस्त के रूप में राज्य सरकार को जारी की गई राशि (20%)	0.31
5	पहली किस्त के रूप में एनआरएससी को जारी की गई राशि (20%)	0.05

एनआरएससी ने दो अमृत नगरों के भू-डेटाबेस का मसौदा पुनरीक्षण और विशेषता डेटा संग्रह हेतु राज्य को सौंप दिया है, जो राज्य स्तर पर प्रक्रियाधीन है।

3.0 क्षेत्र (फील्ड) सत्यापन और विशेषता (एट्रिब्यूट) डेटा संग्रह पर प्रशिक्षण

हिमाचल प्रदेश सरकार ने दिनांक 19.06.2019 के पत्र सं. एचआईएम/टीपी/पीजेटी/अमृत जनरल/2018/खंड-1-2894-96 ने टीसीपीओ से एनआरएससी द्वारा बनाए गए भू-डेटाबेस के क्षेत्र सत्यापन और विशेषता डेटा संग्रह पर प्रशिक्षण प्रदान करने का अनुरोध किया। तथापि, प्रशिक्षण का आयोजन 16-17 अगस्त 2019 के दौरान शिमला में किया गया था। तदनुसार, श्री. मो. मोनिस खान, नगर एवं ग्राम नियोजक, टीसीपीओ ने शिमला का दौरा किया और प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, अमृत नगरों से निदेशक, राज्य नगर नियोजक, नगर एवं ग्राम नियोजक, सहायक नगर एवं ग्राम नियोजक, योजना अधिकारी, कनिष्ठ इंजीनियर, योजना सहायक, नियोजन नक्शानवीस, सर्वेक्षक इत्यादि और सलाहकारों सहित 28 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों की सूची अनुलग्नक-I पर है।

प्रशिक्षण सत्र का औपचारिक रूप से उद्घाटन श्री सी. पॉलरासु (आईएएस), निदेशक, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा किया गया और उन्होंने स्वागत भाषण दिया तथा उसके बाद प्रतिभागियों ने अपना परिचय दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अनुसूची अनुलग्नक-II पर है।

पहला दिन:- उप-योजना, डिजाइन और मानकों और पुनरीक्षण प्रक्रियाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी

औपचारिक उद्घाटन सत्र के बाद श्री मो. मोनिस खान, नगर एवं ग्राम नियोजक, टीसीपीओ द्वारा अमृत शहरों के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार करने पर उप-योजना पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें हिमाचल प्रदेश में समग्र वास्तविक और वित्तीय प्रगति तथा उप-योजना की स्थिति शामिल थी। उप-योजना के डिजाइन और मानकों से परिचित कराने के लिए दूसरे सत्र में उनके द्वारा डिजाइन और मानकों की विस्तृत प्रस्तुति भी की गई। यह प्रस्तुति 8 परतों, 69 प्रमुख श्रेणियों और 475 उप-श्रेणियों के साथ-साथ सुदूर संवेदन (रिमोट सेंसिंग) पर मानकों, स्थानिक संदर्भ, भू-स्थानिक विशेष (फीचर) सामग्री और जीआईएस डेटा अवसंरचना, गुणवत्ता आश्वासन / गुणवत्ता जांच और मेटाडेटा पर केंद्रित थी।

दोपहर के सत्र में श्री मोहम्मद मोनिस खान टीसीपी, टीसीपीओ द्वारा हिमाचल प्रदेश के अधिकारियों को विस्तृत चरण दर चरण पुनरीक्षण और विशेषता डेटा संग्रह की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। कई अधिकारियों ने आधार मानचित्रों के पुनरीक्षण में कई शंकाएं उठाईं, जिनका स्पष्टीकरण प्रस्तुति के दौरान ही कर दिया गया।

दूसरा दिन:- क्षेत्र का दौरा

दूसरे दिन, एनआरएससी द्वारा प्रदान किए गए ग्रिड मानचित्र, तदनरूपी विशेषता तालिका की प्रति और सरलीकृत कोडिंग सूची के साथ सभी प्रतिभागियों का क्षेत्र का दौरा आयोजित किया गया और प्रतिभागियों को नमूना पुनरीक्षण और विशेषता डेटा संग्रह के लिए शिमला में पांच टीमों में बांट कर पांच अलग-अलग स्थानों के लिए तैनात किया गया।

प्रत्येक प्रतिभागी ने क्षेत्र प्रशिक्षण में बहुत उत्साह के साथ भाग लिया। श्री मो. मोनिस खान, नगर एवं ग्राम नियोजक, टीसीपीओ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने क्षेत्र के दौरे का पर्यवेक्षण किया और प्रश्नों तथा मुद्दों को वहीं पर हल किया। टीमें दोपहर में अपनी फील्ड शीट और कुछ प्रश्नों के साथ प्रशिक्षण केंद्र लौट आईं।

दोपहर के भोजन के बाद का सत्र क्षेत्र के दौरे के दौरान अनुभव और प्रतिक्रिया (फीडबैक) पर चर्चा करने के लिए था। सत्र के दौरान, प्रत्येक प्रतिभागी ने बताया कि उन्होंने कैसे पुनरीक्षण और विशेषता डेटा संग्रह किया। क्षेत्र आदि पर उनके सामने आने वाले मुद्दों और शंकाओं को श्री मो. मोनिस खान, नगर एवं ग्राम नियोजक, टीसीपीओ द्वारा स्पष्ट किया गया और उन्हें प्रक्रियाओं के बारे में एक बार फिर से समझाया गया।

श्रीमती अंजलि शर्मा, राज्य नगर नियोजक, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया।

****

अमृत शहरों के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार करने पर उप-योजना के अंतर्गत

जियो-डेटाबेस पुनरीक्षण और विशेषता (एट्रीब्यूट) डेटा संग्रह पर प्रशिक्षण

16-17 अगस्त, 2019

<u>कार्यक्रम अनुसूची</u>

क्र.सं.	विवरण	समय
	दिनांक : **16.08.2019**	
1.	प्रतिभागियों का पंजीकरण	प्रात: 10.00 बजे से 10.30 बजे
2.	नगर एवं ग्राम नियोजक, हिमाचल प्रदेश द्वारा उद्घाटन भाषण	प्रात: 10.30 बजे से 11.00 बजे
3.	चाय ब्रेक	प्रात: 11.00 बजे से 11.30 बजे
4.	प्रतिभागियों का परिचय	प्रात: 11.30 बजे से 11.45 बजे
5.	अमृत शहरों के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार करना - टीसीपीओ, एमओएचयूए नई दिल्ली	प्रात: 11.45 बजे से दोपहर 12.30 बजे
6.	जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार करने के अंतर्गत डिजाइन और मानकों का अवलोकन - टीसीपीओ, एमओएचयूए नई दिल्ली	दोपहर 12.30 बजे से 01.45 बजे
7.	दोपहर का भोजनावकाश	दोपहर 01.45 बजे से 02.30 बजे
8.	टीसीपीओ, एमओएचयूए नई दिल्ली द्वारा पुनरीक्षण और विशेषता डेटा संग्रहण	दोपहर 02.30 बजे से 04.15 बजे
9.	चाय ब्रेक	दोपहर 04.15 बजे से 04.45 बजे
10.	टीसीपीओ, एमओएचयूए नई दिल्ली द्वारा क्षेत्र का दौरा (फील्ड विजिट) की ब्रीफिंग	दोपहर 04.45 बजे से 05.30 बजे
	दिनांक: **17.08.2019**	
1.	टीसीपीओ, एमओयूडी, नई दिल्ली और नगर एवं ग्राम नियोजक, हिमाचल प्रदेश द्वारा पुनरीक्षण और विशेषता डेटा संग्रहण के लिए क्षेत्र का दौरा	प्रात: 10.30 बजे से दोपहर 02.00 बजे
2.	दोपहर का भोजनावकाश	दोपहर 02.00 बजे से 03.00 बजे
3.	मुद्दे और प्रश्नों का समाधान - टीसीपीओ, एमओयूडी, नई दिल्ली और नगर एवं ग्राम नियोजक, हिमाचल प्रदेश	दोपहर 03.00 बजे से 04.30 बजे
4.	चाय ब्रेक	दोपहर 04.30 बजे से 04.45 बजे
5.	नगर एवं ग्राम नियोजक, हिमाचल प्रदेश द्वारा समापन टिप्पणी और धन्यवाद प्रस्ताव	दोपहर 04.45 बजे से 05.30 बजे